कक्षा-सातवीं,विषय-हिन्दी
पाठ-१बारहमासा

बारहमासा

कविता- बारहमासा

(नारायणलाल परमार)

1. चैत्र
2. वैशाख
3. ज्येष्ठ
4. आषाढ़
5. श्रावण
6. भाद्रपद
7. अश्विन
8. कार्तिक
9. मार्गशीर्ष
10. पौष
11. माघ
12. फाल्गुन

कविता के कठिन शब्दों के अर्थ :

- अनूप – निराला, अति सुंदर
- मदरसों – पाठशाला, विद्यालय
- किलकारी – चीख, हर्षित अवस्था में बच्चों के मुख से निकलने वाली ध्वनि
- दहाड़ – गर्जन, बादल का गर्जना
- मयंक – चंद्रमा
- क्वार – आश्विन का महीना
- निर्मल – साफ़, स्वच्छ
- फबती – जँचना
- मधु – मीठा, शहद
- मंजीरे, झाँझ, मृदंग – वाद्ययंत्र
- सरीखा – जैसा, तरह
- अटारियाँ – छतें
- अगहन – मार्गशीर्ष मास

चैत महीने का प्यारा,
सुंदर रूप अनूप है |
गर्म हवा चलने लगती,
खटमिट्ठी सी धूप है|

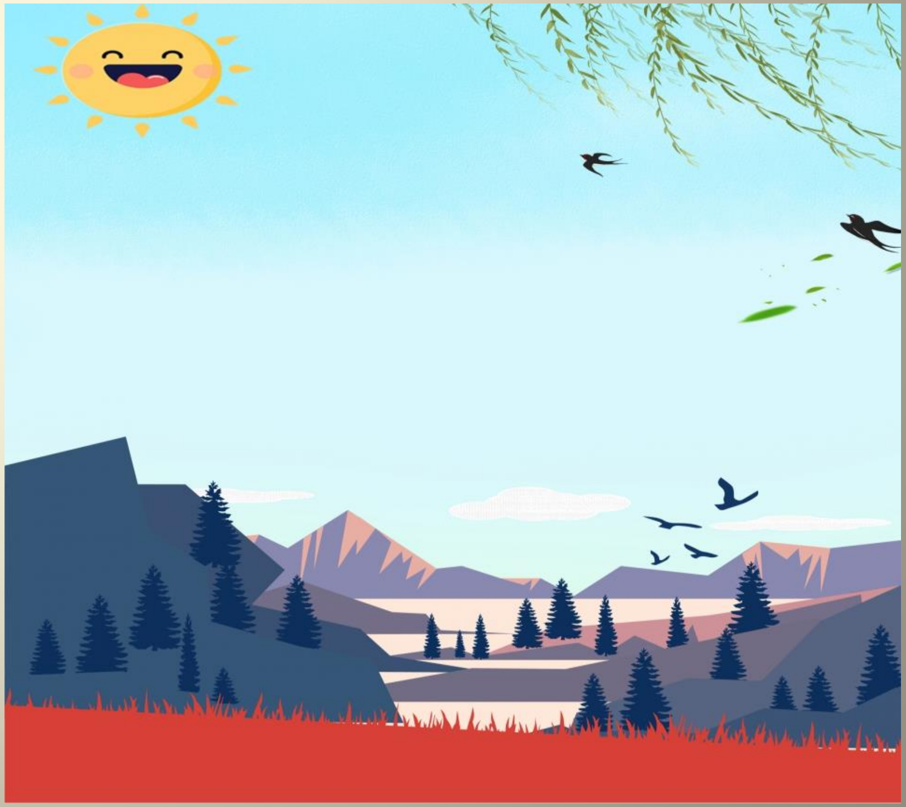

आते ही बैसाख के,
छुट्टी हुई मदरसों की|
लगा गूँजने घर-आँगन,
किलकारी से बच्चों की|

कोई लगातार हारा,
लेकिन कोई जीत रहा|
तरह-तरह के खेलों में,
जेठ महीना बीत रहा|

काले-काले बादल भी,
नभ में चले दहाड़ के|
आँधी इतराने लगी,
लगते ही आषाढ़ के|

सावन की शोभा न्यारी,
हरियाली के ठाठ हैं|
नदी सरोवर छलक रहे,
डूब गए सब घाट हैं|

पता न चलता तारों का,
जाने कहाँ मयंक है|
झाँक नहीं पाता सूरज,
भादों का आतंक है |

भैया क्वार महीने में
निर्मल होती जलधारा|
मौसम कर देता सारी
हँसी-ख़ुशी का बँटवारा|

कार्तिक में जाड़ा आता,
साथ पटाखे फुलझड़ियाँ |
फबती सबके चेहरों पर
मुस्कानों की मधु लड़ियाँ |

अगहन नाच नचा देता,
बर्फ़ सरीखा है पानी|
चलो नहा लो माँ कहती ,
नहीं चलेगी मनमानी|

उड़ी पतंगें पौष में,
बाज़ी लगती ज़ोर से|
गली, मोहल्ले, अटारियाँ ,
भर जाते जब शोर से|

माघ महीना भर देता,
मन में नई उमंग है|
कहीं मंजीरे, झाँझ कहीं,
बजता मृदंग है|

लो वह आ पहुँचा फागुन,
रस की उड़ी फुहार है|
रंगों के कारण लगता
यह जीवन त्योहार है|

काव्य-सौन्दर्य

शिल्प-सौन्दर्य

भाव-सौन्दर्य

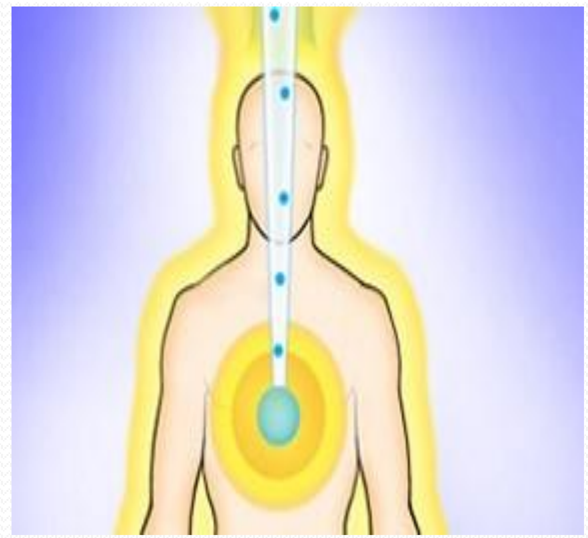

शिल्प-सौन्दर्य

- कविता साहित्यिक खड़ी बोली हिंदी में लिखी गई है |
- तत्सम शब्दों का प्रयोग | जैसे- अनूप, मयंक
- लयात्मकता का गुण |
- तुकांत शब्दों का इस्तेमाल |- दहाड़ के , आषाढ़ के
- अनुप्रास अलंकार – मुस्कानों कई मधु लड़ियाँ

(‘म’ वर्ण की आवृत्ति)

भाव-सौन्दर्य

कविता –'बारहमासा' में कवि नारायण लाल परमार ने एक वर्ष में आने वाले बारह देसी महीनों की जानकारी दी है| हर माह अपने साथ कुछ उत्सव, कुछ खुशियाँ लेकर आता है| प्रत्येक माह की अपनी विशेषता और महत्त्व है| वर्ष भर आने वाले ये त्योहार हमारे जीवन में खुशियाँ भर देते हैं और जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं|

कक्षा गतिविधि

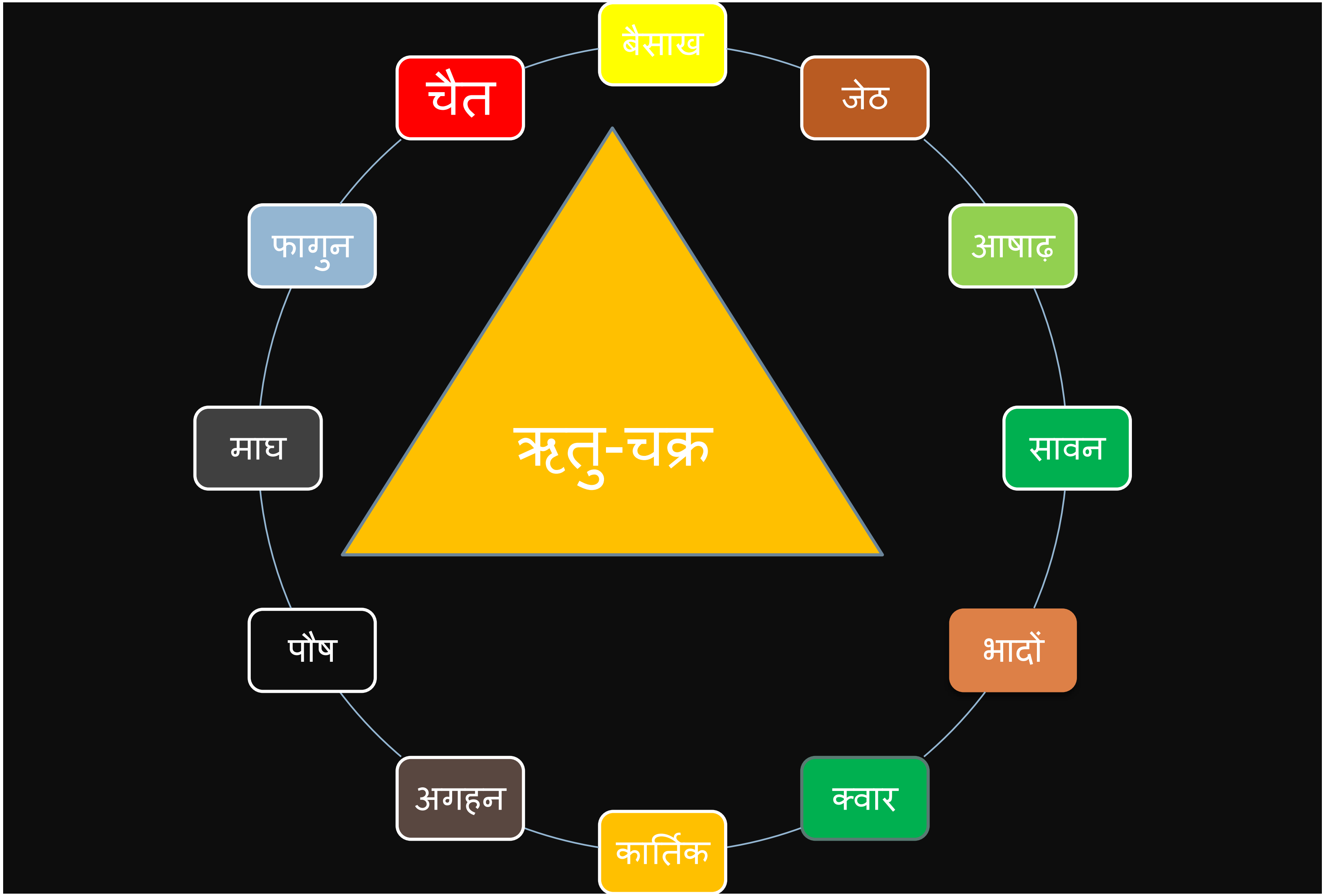

परिचर्चा:

ऋतुओं का जीवन में क्या महत्त्व है? आपको कौन-सी ऋतु पसंद है और क्यों ?

क्रमबद्ध विवरणिका (flow chart)

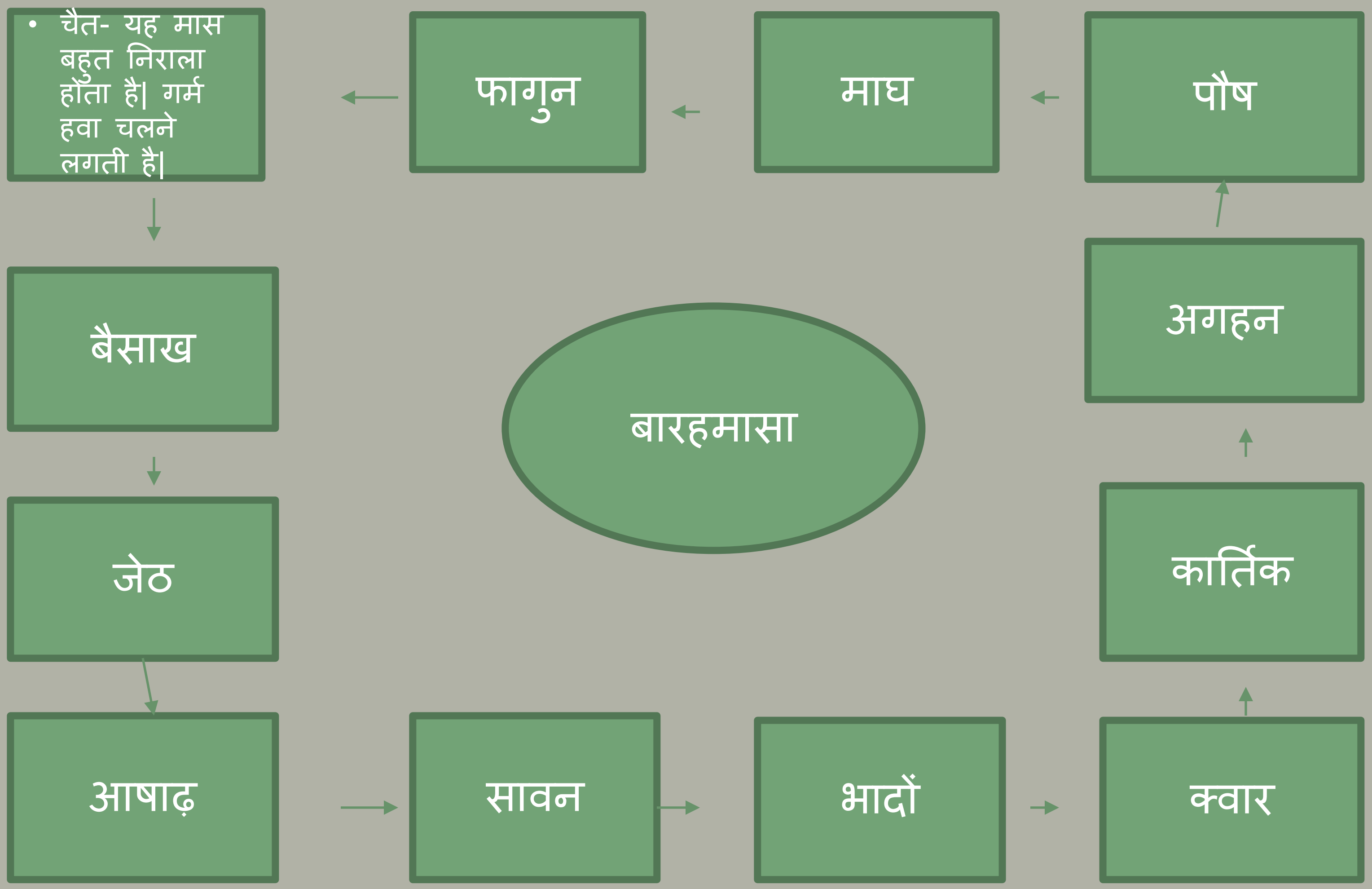

विचार मंथन:

- ‘जीवन को रंगीन बनाते हमारे त्योहार’- विषय पर परिचर्चा |
- महीनों के बदलते क्रम से यह अहसास होता है कि परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है; इस सन्दर्भ में चर्चा |

लेखन कार्य :

भारतीय महीनों के नाम लिखकर प्रत्येक मास की दो विशेषताएँ अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखिए |

(नोट: स्लाइड क्रमांक 16 के अनुसार दिए गए flow chart के अनुसार लिखना है|)

धन्यवाद